जागो नारी जागो

1. अगर जगाना है, नारी को।
प्रतिभा उसे उसकी बतानी होगी।
भीतर उसके चिंगारी है,
उसको याद दिलानी होगी।

2. लिपटी जिम्मेदारियों में वह,
अपनी क्षमता का उसे अहसास नहीं,
दीन-हीन बनी रहती है रोज,
अपनी शक्ति का उसे आभास नहीं।

3. भीतर उसके सीता बैठी है
बैठी उसमें मीरा, राधा, अहिल्या और सावित्री है,
रानी झांसी तलवार उठाती,
आज की मैरीकाम कुश्ती लड़ती है।

4. कर्तव्य रिश्ते निभाने वाली वो नारी
चलती, दौडती-भागती रहती है जो दिन-रात
सर्व चेतना, सर्व शक्तिमान है वो,
निज गुण से फिर भी अनजान है वो।

5. यदि जगाना है कोई आदि शक्ति माँ को,
सभी साथ मिलकर आएं ,
याद दिलाए उसे खोई शक्ति फिर से
स्वयं जागे नारी औरों को भी जगाए।

6. जाग गई आज यदि कोई नारी ,
फिर एक नया इतिहास अमर होगा
भारत माँ की नारी का सदा,
विश्वभर में डंका बजेगा।

चाँदनी गर्ग
मुख्य प्रबंधक/वित्त

रेलटेल की महिला शक्ति

रेलटेल पूर्वी क्षेत्र

रेलटेल, पश्चिमी, क्षेत्र

गुरूग्राम कार्यालय

रेलटेल, उत्तरी क्षेत्र

कॉर्पोरेट कार्यालय

रेलटेल दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय एवं टेरिटरी

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
ऑफिस ब्लॉक, टॉवर 2, छठा तल, प्लेट-ए, एनबीसीसी बिल्डिंग
पूर्वी किदवई नगर, नई दिल्ली-110023
वेबसाइट: www.railtelindia.com

रेलटेल, कॉर्पोरेट कार्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित

रेलटेल
RAILTEL

रेलटेल गतिविधियां
तविशी
(अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेषांक -2024)

अंक : 19

वे खिलते पुष्प जिन्हें मुरझाना नहीं आता, और वे दीप जिन्हें बुझना नहीं आता,
कितने अद्भुत प्रतीत होते हैं।

महादेवी वर्मा

(कवर पृष्ठ डिजायन सुश्री सोनी, उपप्रबंधक/वित्त उत्तरी क्षेत्र द्वारा)

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रेलटेल, कॉर्पोरेट कार्यालय एवं क्षेत्रीय/टेरिटरी कार्यालयों में कार्यरत सभी महिला कर्मियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। मेरा मानना है कि महिलाओं का महिला दिवस पर ही नहीं बल्कि हर दिन सम्मान करना चाहिए। वर्तमान युग में महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बहुत कार्य किए गए हैं। महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपने दायित्वों को बखूबी निभा रही हैं। रेलटेल में महिलाओं को जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई वह उन्होंने पूरी कुशलतापूर्वक एवं निष्ठा के साथ निभाई।

आज विश्व में महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में चाहे वह राष्ट्र निर्माण हो या अन्य कोई भी क्षेत्र हो, सभी में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही हैं।

एक संस्कृत का श्लोक है-

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः"
जहाँ नारी का सम्मान होता है, देवता वहां निवास करते हैं।
महिलाओं का रेलटेल की प्रगति में और अधिक सक्रिय भूमिका हो, ऐसी कामना के साथ उनके उज्जवल भविष्य के लिए पुन: शुभकामनाएं।

08.03.2024

संजय कुमार
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

प्रमुख कार्यकारी निदेशक/उत्तरी क्षेत्र-दिल्ली

श्रीमती विजय लक्ष्मी कौशिक,
प्रमुख कार्यकारी निदेशक/
उत्तरी क्षेत्र-दिल्ली

श्रीमती विजय लक्ष्मी कौशिक, प्रमुख कार्यकारी निदेशक/उत्तरी क्षेत्र-दिल्ली, उत्तरी क्षेत्र 1987 बैच की भा.रे.सि.इ.से. (IRSSE) अधिकारी हैं। इनके पास सिगनलिंग और टेलीकॉम इंस्टॉलेशन में व्यापक अनुभव है और इन्होंने भारतीय रेलवे के निर्माण, अनुरक्षण, परियोजना, प्लानिंग इत्यादि विभागों में काम किया है। वर्ष 2021 में रेलटेल में कार्यरत होने से पहले इन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों का कार्यभार संभाला है, जिसमें कार्यपालक निदेशक/सुरक्षा, रेलवे बोर्ड, मण्डल रेल प्रबंधक लखनऊ पूर्वोत्तर रेलवे, मुख्य सिगनल टेलीकॉम इंजीनियर / परियोजना उत्तर रेलवे और उत्तर पश्चिमी रेलवे शामिल हैं। इनके कुशल नेतृत्व में रेलटेल, उत्तरी क्षेत्र की राजस्व बुकिंग में लगातार वृद्धि हुई है। ये वर्तमान में उत्तर रेलवे की यू एस बी आर एल परियोजना के कटरा-बनिहाल खंड में सुरंग संचार प्रणाली स्थापित करने, दिल्ली पुलिस की दिल्ली सुरक्षित सिटी परियोजना के लिए इंटरनेट बैंडविड्थ उपलब्ध कराने, भारतीय रेलवे पर वीडियो निगरानी प्रणाली, रक्षा संगठनों के लिए विभिन्न कार्यो जैसी कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पूरा करने की दिशा में अग्रसर है।

प्रमुख कार्यकारी निदेशक/मानव संसाधन

सुनीता सिंह,
प्रमुख कार्यकारी निदेशक/
मानव संसाधन

श्रीमती सुनीता सिंह, भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा की 1992 बैच की अधिकारी हैं। वर्तमान में प्रमुख कार्यकारी निदेशक/मानव संसाधन के पद अगस्त 2022 से कार्यरत हैं। इनके नेतृत्व में निम्नानलिखित विशेष कार्य किए गए हैं। रेलटेल के सभी विभागों में वर्ष 2022-23 में 69 पदों एवं 2023-24 में 110 पदों के लिए ओपन मार्केट से अभ्यर्थियों की सीधी भर्ती, वर्ष 2022 व 2023 में सभी विभागों में लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के आधार पर पदोन्नति की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसी के साथ रेलटेल के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों की मांग पर संविदा पर कर्मियों की नियुक्ति की गई। फरवरी 2024 तक, ई-5 से ई-6 लेवल और ई-6 से ई-7 लेवल में प्रमोशन, ई-0 से नीचे और ई-5 स्तर तक के लिए पदोन्नति की प्रक्रिया जारी है। इसके अतिरिक्त संसोधित पदोन्नति नीति, रेलटेल कर्मियों की पट्टा नीति और पात्रता में संशोधन, आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से सेवानिवृत कर्मचारियों की नियुक्ति के नियम एवं शर्तों में संशोधन, प्रतिनियुक्ति पर आने वाले कार्मियों को वर्दी खरीद और रखरखाव भत्ता की शुरूआत, बोनस अंक नीति, पदों को पुनः पदनामित करना, आरसीआईएल अधिकारियों की सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा योजना में संशोधन, सीधी/संविदा भर्तियों आदि से संबंधित सूचना के अधिकार के मामलों का समय पर निपटान किया गया।

समूह महाप्रबंधक/प्रशासन एवं सुरक्षा तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी

श्रीमती रुचिरा चटर्जी,
समूह महाप्रबंधक/प्रशासन एवं सुरक्षा
तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी

श्रीमती रुचिरा चटर्जी,आईआरपीएफएस 2000 बैच की अधिकारी हैं। वर्तमान में समूह महाप्रबंधक/प्रशासन एवं सुरक्षा तथा मुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में रेलटेल, कॉर्पोरेट कार्यालय में मई 2021 से कार्यरत हैं। इनके द्वारा विगत वर्ष किए गए विशेष कार्यों का विवरण निम्नानुसार है।

रेलटेल, पुरानी चिकित्सा नीति में कर्मचारियों के हित में व्यापक सुधार, निशुल्क हेल्थ चेक-अप शिविर, कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिष्ठित अस्पतालों के साथ कॉर्पोरेट अनुबंध, सेवानिवृत्ति के बाद की स्वास्थ्य नीति में तर्कसंगत वृद्धि, दिनांक 23.9.23 को वार्षिक दिवस समारोह का भव्य आयोजन, रक्तदान शिविरों का आयोजन, टीम बिल्डिंग गतिविधियां, मंथन शिविर,राजभाषा प्रयोग प्रसार एवं कार्यान्वयन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य। इन्टेग्रिटी पैक्ट की नोडल अधिकारी, सार्वजनिक परिसर बेदखली अनाधिकृत अधिभोगी अधिनियम 1971 के तहत संपदा अधिकारी, पिछले वर्ष के दौरान नोएडा प्राधिकरण के साथ सुलह के दौरान डिमांड नोट को माफ करवाकर कंपनी के 1.5 करोड रूपए बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, आंतरिक शिकायत निवारण समिति की अध्यक्ष के रूप में कार्य, सूचना के अधिकार अधिनियम के अपीलीय अधिकारी के रूप में कार्य एवं प्राप्त सूचनाओं का समय से निष्पादन, ईपीएफओ से संबंधित कार्यों का समन्वय, रेलटेल, कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा राजभाषा पत्रिका "रेलटेल प्रगति" एवं "रेलटेल गतिविधियां" का नियमित प्रकाशन। रेलटेल प्रगति पत्रिका को नराकास दिल्ली द्वारा श्रेष्ठ पत्रिका पुरस्कार सम्मान 2023 एवं 2024, हिंदी में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करने के लिए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा "रेलमंत्री राजभाषा पदक" से सम्मानित। संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति के निरीक्षणों के सफल आयोजन के लिए मुख्य राजभाषा अधिकारी को समिति द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

कला कॉर्नर

श्रीमती हरितिमा जयपुरियार,
समूह महाप्रबंधक/कॉ.सम.

श्रीमती मधुलिका पाठक,
समूह महाप्रबंधक/वित्त

माही / पुत्री इंदरजीत /
केंटीन वेंडर

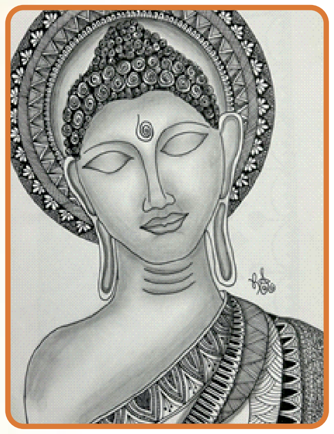

श्रीमती रश्मि सिंह,
मुख्य प्रबंधक/मानव संसाधन

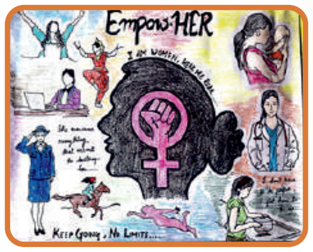

सुश्री आकांक्षा, कार्यकारी/वित्त

सुश्री सिम्पी, कार्यकारी/वित्त

श्रीमती प्रतिभा देवेन्द्र यादव,
समूह महाप्रबंधक/चेन्नई

सशक्त नारी

माँ, बहन, बेटी, बहू बन कर, वो घर को सँवार-सजा रही है,
वो आज की सशक्त नारी है, हर किरदार बखूबी निभा रही है।
कोई ज्ञानवान, कोई रूपवान, कोई बलवान, कोई प्रतिभावान,
हर क्षेत्र में पहचान बना रही है, वो आज की सशक्त नारी है,
हर किरदार बखूबी निभा रही है। है देशभक्ति, है रक्षा शक्ति,
वो देश की सुरक्षा बढ़ा रही है, वो पुलिस, सैनिक, आर्मी बन कर,
दुश्मन की नींद उड़ा रही है, वो आज की सशक्त नारी है,
हर किरदार बखूबी निभा रही है। है ज्ञानशक्ति, है इच्छाशक्ति,
वो रॉकेट-मिसाइल बना रही है, वो शिक्षिका, वैज्ञानिक, इंजीनियर बन कर,
ज्ञान की ज्योति जला रही है, वो आज की सशक्त नारी है,
हर किरदार बखूबी निभा रही है। है कर्म शक्ति, है रूपशक्ति,
वो विश्व में नाम कमा रही है, वो खिलाड़ी, अभिनेत्री, सौंदर्य सुंदरी बन कर,
अपना हुनर दिखा रही है, वो आज की सशक्त नारी है,
हर किरदार बखूबी निभा रही है।है तर्क शक्ति, है नेतृत्व शक्ति,
वो नियम-कानून बना रही है, वो न्यायाधीश, जिलाधिकारी, राजनेत्री बन कर,
देश को दिशा दिखा रही है, वो आज की सशक्त नारी है,
हर किरदार बखूबी निभा रही है। माँ, बहन, बेटी, बहू बन कर,
वो घर को सँवार-सजा रही है, वो आज की सशक्त नारी है,
हर किरदार बखूबी निभा रही है।।

श्रीतू श्रीवास्तवा
मुख्य प्रबंधक-तकनीकी, उत्तरी क्षेत्र

नारी का अस्तित्व

चंचल मन से दुनिया में आकर,
माँ – बाप की बन गई प्यारी है।
वह छोटी सी लड़की,
जिसे निभाने है कई किरदार,
उड़ने की कर ली तैयारी है।
मन और चित्त में
चंचलता से स्वप्न लिए वो हितकारी है।
अब ऊंची उड़ान भरने की आई उसकी बारी है।
बन जाती है किसी की अर्धांगिनी,
अपनी सभी इच्छाएं त्याग के भी,
टूटती, बिखरती और संभलती है,
तब जा कर वह निखरती है।
निभा कर सारे किरदार,
स्त्री घर की धुरी है, फिर क्यूँ? क्यूँ
अस्तित्व में वह आज भी अधूरी है।

ज्योति
निजी सहायक/समूह महाप्रबंधक/प्रशासन

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के गतिविधियां

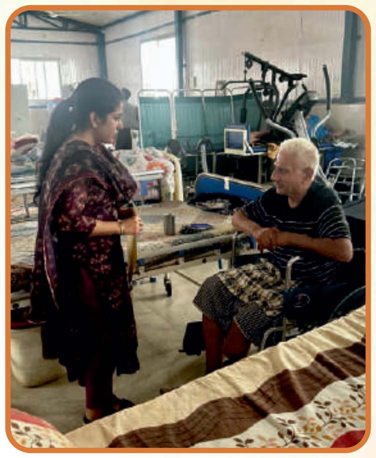

रेलटेल की व्यावसायिक गतिविधियां

रेलटेल ने साझेदारी को मजबूत करने, विक्रेताओं की चुनौतियों और सुझावों को सुनने के लिए 'अखिल भारतीय विक्रेता बैठक - 2 0 2 4 ' का आयोजन किया, जो संचालन/निष्पादन को सुव्यवस्थित करने में मदद करेगा, विकास के लिए प्रक्रियाओं को अधिक सहज और अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाएगा और साथ ही इसमें शामिल सभी पक्षों के लिए उज्जवल भविष्य भी बनाएगा।

सुश्री जेन पावर, अध्यक्ष (निर्वाचित) आईआरएसई यूके और श्री गैरी जोयानास, आईआरएसई यूके ने अध्यक्ष और सचिव आईआरएसई इंडिया के साथ आईआरएसई लाइसेंसिंग को लागू करने और सीएमडी, डीपीओएम, डीएफ और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आधुनिक सिगनलिंग और दूरसंचार योग्यता विकास कार्यक्रम आयोजित करने के बारे में चर्चा की।

दिनांक 7.2.2024 को श्री लालहिंग्लोवा हमर, माननीय खेल और कौशल विकास मंत्री, मिजोरम सरकार ने अपनी टीम के साथ सीएमडी/रेलटेल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संभावित सहयोग के अवसरों पर चर्चा की।

दिनांक 24.1.2024 को रेलटेल ने संचार प्रौद्योगिकी और क्षमता निर्माण, अनुसंधान, परामर्श, साइबर सुरक्षा, रेलवे मोबाइल संचार प्रणाली के क्षेत्रों को कवर करने वाले अन्य संबद्ध कार्यों के क्षेत्र में सहयोग के लिए आईआईटी मद्रास और आईआईटी मद्रास प्रवर्तक टेक्नोलॉजी फाउंडेशन के साथ त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

माँ

फिर से वो बचपन लौटा दो ना माँ
मुझे ज़िन्दगी का सफर मुश्किल लगता है..।
मुश्किल लगता है अब सबक गलतियों का,
वो रूठना मनाना अब मुश्किल लगता है...।।
सजा तू भी तो देती थी अक्सर,
खफा तू भी होती थी ना माँ...
मम्ता रही अटूट आजीवन,
फ़िक्र ना थी कुछ खोने की माँ...
फिर से वो बेफिक्री कहाँ से लाऊं,
अपनों को खोने का अब डर लगता है...।
फिर से वो बचपन लौटा दो न माँ
मुझे ज़िन्दगी का सफर मुश्किल लगता है..।।

मुश्किल लगता है, अब बोझ शब्दों का,
यहाँ हर बोल का अब मोल लगता है.. ।
फिर से वो बस्ता लौटा दो न माँ,
अब किताबों का बोझ मुझे कम लगता है ..।।
गिरकर संभलना तूने सिखाया,
क्यों नहीं सिखाया तुझ बिन संभलना,
हर चोट पे मेरे मरहम लगाया,
क्यों नहीं बताया बिन मरहम उभरना,
फिर से वो मरहम कहाँ से लाऊं,
बिन मरहम उभरना मुश्किल लगता है..।
संभल कर गिरती हूँ अबसे मैं,
मुझे गिर कर संभलना मुश्किल लगता है ।।

निकिता शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक/प्रशासन एवं विधि

समूह महाप्रबंधक/कॉर्पोरेट समन्वय।

श्रीमती हरितिमा जयपुरियार,
समूह महाप्रबंधक/कॉर्पोरेट समन्वय

श्रीमती हरितिमा जयपुरियार, 1998 बैच की आईआरएसएसई अधिकारी हैं। इन्होंने मई 2019 में रेलटेल में महाप्रबंधक/आईटीपी के रूप में पदभार ग्रहण किया। वर्तमान में समूह महाप्रबंधक/कॉर्पोरेट समन्वय के पद पर कॉर्पोरेट कार्यालय में कार्यरत हैं। इनके द्वारा निम्नलिखित विशेष कार्य किए गए।

यूआईईडीएआई आधार सेवा को लागत केंन्द्र से लाभदायक सेवा में परिवर्तित करना, वीएमवेयर क्लाउड क्लस्टर के अतिरिक्त हमारे डाटा सेंटर में रेड हैट ओपनस्टैक क्लाउड को जोड़ना, जिससे एक विक्रेता पर निर्भरता कम हो जाएगी। डेटा सेंटर के लिए पीसीआई डीएसएस (भुगतान कार्ड उद्योग डेटा सुरक्षा मानक) प्रमाण पत्र प्राप्त किया। यह रेलटेल को भुगतान कार्ड उद्योग को डीसी/क्लाउड सेवा प्रदान करने के लिए पात्र बना देगा। यह हमारी सर्टिफिकेट बकेट सूचना में एक नया और प्रतिष्ठित प्रमाण पत्र है। एनसीआईआईपीसी के परामर्श से रेलटेल के लिए सीआईआई (महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे) की पहचान का कार्य, रेलटेल कर्मचारियों के मासिक साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन, एनआईसी, एनआईएसएसआई और रेलटेल के बीच त्रिपक्षीय समझौते के तहत गुरूग्राम डेटा सेंटर में ई-ऑफिस होस्टिंग के लिए 60 ग्राहकों को शामिल किया गया। वित्त वर्ष 24-25 के लिए त्रैमासिक समीक्षा और लक्ष्य निर्धारण के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों के साथ सभी क्षेत्रों की समीक्षा बैठक, सीएसआर एपेक्स समिति द्वारा सीएसआर परियोजनाओं को अंतिम रूप देना और मंजूरी देना और चल रही परियोजनाओं की निगरानी करना और कंपनी की जनसंपर्क संबंधी गतिविधियों की देखरेख करना।

समूह महाप्रबंधक/वित्त

मधुलिका पाठक
समूह महाप्रबंधक/वित्त

श्रीमती मधुलिका पाठक, ने रेलटेल में 9 सितबंर 2013 को अपर महाप्रबंधक/वित्त के पद का कार्य संभाला था। वर्तमान में वह समूह महाप्रबंधक/वित्त के पद पर कार्यरत हैं। उनके द्वारा किए गए कार्यों में उपलब्ध धनराशि को कुशल तरीके से निवेश करने से निवेश पर अधिकतम रिटर्न प्राप्त करना जो कंपनी की लाभप्रदता में योगदान देता है। ट्रेड्स पैन इंडिया के परिचालन से बिलों में छूट के माध्यम से एमएसई (सूक्ष्म एवं लघु उद्यम) को तेजी से और कुशल भुगतान में मदद मिलती है। विक्रेता/ग्राहक गारंटी को सुव्यवस्थित करने से परियोजना निगरानी सक्षम हो गई है। रेलटेल की दो प्रतिष्ठित परियोजनाएं वीएसएस और एचएमआईएस जैसी परियोजनाओं के लिए अनुमान की जांच, विपणन प्रस्ताव - समय पर योगदान के कारण रेलटेल को कई परियोजनाएं सौंपी गई। ईआरपी के माध्यम से सिस्टम सुधार ने समान कार्य प्रवाह और पारदर्शी कामकाज को सक्षम किया है। सूचीबद्ध कंपनी होने के नाते सभी हितधारकों को लाभांश भुगतान सुनिश्चित करना।

समूह महाप्रबंधक/चेन्नई

श्रीमती प्रतिभा देवेन्द्र यादव,
समूह महाप्रबंधक/चेन्नई

श्रीमती प्रतिभा देवेन्द्र यादव, आईआरएसएसई 2002 बैच की अधिकारी हैं। इन्होंने 8 जून 2020 को रेलटेल के दक्षिणी क्षेत्र से महाप्रबंधक/चेन्नई टेरिटरी के रूप में कार्य संभाला है। आपके नेतृत्व में निम्नलिखित विशेष कार्य किए गए हैं।

श्रीमती प्रतिभा देवेन्द्र यादव, समूह महाप्रबंधक/चेन्नई टेरिटरी में कार्यरत है। इनके नेतृत्व में फरवरी 2024 तक का कुल राजस्व 141 करोड़ रूपये है। मार्च 2024 तक अनुमानित राजस्व 170 करोड़ रुपये है। टीएएसएमएसी परियोजना के लिए 294.36 करोड़ रुपये के स्वीकृति पत्र (एलओए) पर हस्ताक्षर किए। रेलटेल और टीएएसएमएसी और बीजी के बीच 14 करोड़ रुपये एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ग्राहक आवश्यकता और व्यवहार्यता अध्ययन के अनुसार एसआरएस दस्तावेज तैयार किया गया और अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया। साथ ही यूएटी आवेदन परीक्षण पूरा हुआ। पीओसी के रूप में, 89 स्थानों में से 7 स्थानों का कार्यान्वयन प्रगति पर है। इस वर्ष 2023-24 में नए 127 एएनपी पर हस्ताक्षर किए गए। रेलवायर के ग्राहकों की संख्या 24 जनवरी तक 116442 और प्राप्त राजस्व 60 करोड़ रुपये है। रेलवायर ग्रोथ के लिए ट्रिपल प्ले सेवा के लिए रेलटेल और मैसर्स मल्टीप्ले नेटवर्क के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह रेलटेल नेटवर्क में पहला है, जिसे हमने 1400 ग्राहकों को लागू किया और ऑनबोर्ड किया। पुडुचेरी सरकार और जिपमर परियोजना को पूरा किया। इसके अलावा, हम अंडमान और चेन्नई में सिपेट में कार्यान्वयन कर रहे हैं।

आएशा की याद में ....

पहला प्यार खुद से करना मेरी बच्ची,
तुम्हारे पहले प्यार का कोई और हक़दार नहीं है।
देखना आईने में अपनी झील सी आँखों को,
अपने भोले चेहरे को, अपनी मुस्कराहट को,
और इश्क़ करना अपनी हंसती हुई आँखों से,
अपने नर्म गालों से, अपने बेपरवाह बालों से
इश्क़ करना अपनी हंसी की खनक से,
अपने दिल की धड़कन से, अपनी चाल की लचक से।
याद रखना किसी को तुम्हारी ख़ुशी से,
तुम से ज्यादा सरोकार नहीं है।
पहला प्यार खुद से करना मेरी बच्ची ,
तुम्हारे पहले प्यार का कोई और हक़दार नहीं है।

प्रेमी, पति, माँ, बाप, ब्याह, समाज
किसी भी रिश्ते की मर्यादा का बोझ,
सिर्फ तुम्हारे नाज़ुक कंधो पर नहीं है,
जब ऐसा लगने लगे, तो कंधे झटक देना,
मेरी नाज़ों से पली बिटिया ,
एक तरफ़ा बोझ कभी अपने कंधो पर मत लेना।
याद रखना रिश्ते निभाने के जिम्मेदार सभी हैं।

पहला प्यार खुद से करना मेरी बच्ची,
तुम्हारे पहले प्यार का कोई और हक़दार नहीं है।

अपने बाद जब दूसरा प्रेम करो किसी से ,
सराहो, चाहो, निभाओ जब उससे,
जब आँखों में सपनों को बसेरा मिले,
होठों पर हंसी को डेरा मिले,
हर आस को तुम्हारी सवेरा मिले,
हंसी में खनक रहे, चाल में लचक रहे,
दिल में उमंग रहे, ख़ुशी की तरंग रहे।
याद रखना, खुद का तब भी करना तिरस्कार नहीं है।
पहला प्यार खुद से करना मेरी बच्ची,
तुम्हारे पहले प्यार का कोई और हक़दार नहीं है।

(उपर्युक्त पंक्तियां एक बेटी की सच्ची घटना पर आधारित है)

सुनीता सिंह
प्रमुख कार्यकारी निदेशक/मानव संसाधन

रेलटेल की महिलाकर्मियों द्वारा भव्य प्रस्तुति

रेलटेल में रक्तदान शिविर का आयोजन

कॉर्पोरेट कार्यालय

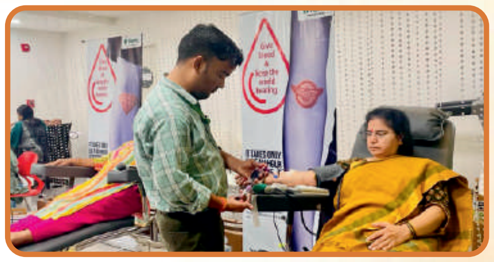

रेलटेल उत्तरी क्षेत्र, दिल्ली

रेलटेल दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई टेरीटेरी

ग़ज़ल

तेरी ख़्वाहिशें बेहिसाब हैं पर ज़िंदगी का पता नहीं।
तेरी आँख तो खुली है पर अभी नींद से जगा नहीं।
वो ज़रा-ज़रा सी बात पर कुछ रूठते हैं इस क़दर,
'गर पूछिए है बात क्या, कहते हैं मुझको पता नहीं।
मेरी हार में तेरी जीत में बस फ़र्क़ इतना है हरीफ़,
तू जीत के बे-क़रार है, मैं हार के ग़म-ज़दा नहीं।
हक़ीक़त तेरी से है आशना हर शख़्स महफ़िल में यहां,
तुझ को फ़क़त लगता है तेरा राज़ किसी को पता नहीं।
तेरी बे-सबब तनक़ीद से तेरे तेज़ तंज़-ओ-तीर से,
यह दिल तो दुखता है मगर कभी मैंने तुझे कहा नहीं।

रुचिरा चटर्जी
समूह महाप्रबंधक/प्रशासन, सुरक्षा एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी

नारी

तुम प्रेम हो, आस्था हो,
विश्वास हो, टूटी हुई उम्मीदों
की एक मात्र आस हो,हर
जान का तुम ही तो आधार हो,
नफरत की दुनिया मे तुम ही तो
प्यार हो, उठो, अपने अस्तित्व को
संभालो, केवल एक दिन ही नहीं,
हर दिन के लिए तुम खास हो।

शिवानी
कार्यकारी/प्रशासन/रिसेप्शन

नराकास उपक्रम-1 द्वारा रेलटेल प्रगति को श्रेष्ठ पत्रिका का पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

रेलटेल, निशुल्क चिकित्सा शिविर

वक़्त नहीं

हर ख़ुशी है लोगो के दामन में,
पर एक हंसी के लिए वक़्त नहीं
दिन रात दौड़ती दुनिया में,
ज़िंदगी के लिए हीं वक़्त नहीं

माँ की लोरी का एहसास तो है,
पर माँ को माँ कहने का वक़्त नहीं
सारे रिश्ते को तो हम मार चुके,
अब उन्हें दफ़नाने का भी वक़्त नहीं

सारे नाम मोबाइल में है,
पर दोस्तों के लिए वक़्त नहीं
गैरो की क्या बात करे,
जब अपनो के लिए ही वक़्त नहीं

आँखों में हैं नींद बड़ी,
पर सोने का वक़्त नहीं
दिल है गम्मो से भरो हुआ,
पर रोने का वक़्त नहीं

पैसे की दौड़ में ऐसे दौडे की,
थकने का भी वक़्त नहीं
पराए एहसास की क्या कदर करे,
जब अपने सपनों के लिए भी वक़्त नहीं

तू ही बता ऐ ज़िंदगी,
इस ज़िंदगी का क्या होगा,
कि हर पल मरने वालो को,
जीने के लिए भी वक़्त नहीं

सीमा कालरा
मुख्य प्रबंधक/प्रशासन/सीओ

मुस्कुराना ज़रूरी है।

मुस्कुराना ज़रूरी है।
ज़रूरत लगे तो सिर्फ़ मुस्कुराना ही नहीं बल्कि हँसना ज़रूरी है।
मुस्कुराना प्रतीक है प्यार का,
प्रतीक है भावनाओं का,
मुस्कुराना प्रतीक है सम्मान का,
प्रतीक है शांति का,
मुस्कुराना प्रतीक है किसी एहसास का
उस एहसास को समझना ज़रूरी है,
इसलिए मुस्कुराना ज़रूरी है।
ज़रूरत लगे तो सिर्फ़ मुस्कुराना ही नहीं
बल्कि हँसना ज़रूरी है।

काम तो सभी करते हैं,
वक़्त रहते करने हैं,
लेकिन ठहरना भी ज़रूरी है।
25 तक पढ़ाई, फिर नौकरी
नौकरी के बाद शादी और बच्चे,
फिर बच्चों की पढ़ाई,
बच्चों की नौकरी और शादी,
इन सभी कामों को करना है।
सही समय पर करना है।
लेकिन ये सब करने के लिए,
जीवित रहना ज़रूरी है,
और जीने के लिए हँसना ज़रूरी है।

मुस्कुराना ज़रूरी है।
ज़रूरत लगे तो सिर्फ़ मुस्कुराना ही
नहीं बल्कि हँसना ज़रूरी है।
मुश्किलें अपनों से हो या गैरों से,
मुश्किलें सुलझना ज़रूरी है,
और मुश्किलों को मुस्कुराकर हराना ज़रूरी है।
ज़रूरत लगे तो सिर्फ़ मुस्कुराना नहीं बल्कि हँसना ज़रूरी है।

ये जीवन चक्र है, ये चलता है और सिर्फ़ चलता रहता है,
लेकिन हमें रुकना और ठहरना भी ज़रूरी है,
वक़्त से ही वक़्त चुराकर मुस्कुराना ज़रूरी है,
अपनो से मिलकर हँसना और उन्हें हँसाना ज़रूरी है।
मुस्कुराना ज़रूरी है।
ज़रूरत लगे तो सिर्फ़ मुस्कुराना नहीं बल्कि हँसना ज़रूरी है।

दीप्ति गर्ग
मुख्य प्रबंधक/ ओ एंड एम
क्षेत्रीय कार्यालय/कोलकाता रेलटेल/पूर्वी क्षेत्र

गणतंत्र दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस पर रेलटेल महिला कर्मियों द्वारा प्रस्तुति

गणतंत्र दिवस के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संबोधन